BA Part III (H)

Paper V

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ college Rajnagar

Lecture V

गोत्र का प्रकार्य एवं उसके महत्व (Importance of clan & ~~Importance of~~ functions of clan) =)

गोत्र भारतीय सामाजिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण शक्तिशाली सामाजिक संगठन है। वह अपने सदस्यों को एक सूत्र में बाँधता है, उनकी सहायता व सुरक्षा भी करता है। साथ ही साथ उन पर नियंत्रण व शासन भी करता है। यह रक्त सम्बन्ध की भावना के आधार पर अनाचार पर नियन्त्रण लगाता है। सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक व राजनीतिक आदि सभी स्तरों पर इसके महत्वपूर्ण प्रकार्य एवं महत्व है जो इस प्रकार है —

1. पारस्परिक सुरक्षा एवं सहायता ⇒ गोत्र का एक महत्वपूर्ण प्रकार्य व्यक्ति को पारस्परिक सहायता व सुरक्षा प्रदान करना है। एक ही पूर्वज के सन्तान की भावना के कारण उनके सदस्यों में हम की भावना व भ्रातृभाव विशेष रूप से होता है। प्रत्येक सदस्य आश्वस्त रहता है कि उसे किसी भी समय अपने गोत्र के लोगों से सहायता मिल सकती है। सामाजिक आर्थिक, धार्मिक व राजनीतिक आदि किसी भी क्षेत्र में सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस सन्दर्भ में प्रत्येक व्यक्ति अपने को सुरक्षित पाता है।

2. नियन्त्रण ⇒ गोत्र अपने सदस्यों के लिए नियम बनाकर उनके व्यवहारों पर नियन्त्रण करता है। गोत्र में नियन्त्रण का कार्य अत्यन्त सरलता से हो पाता है, क्योंकि इसके सभी सदस्य एक धागे से धार्मिक एवं वैयक्तिक रूप से जुड़े रहते हैं। साथ ही इसका संचालन और कार्यभार गोत्र परिवारों के बुजुर्गों पर होता है।

2020-8-14 08:44